CAREER & EDUCATION

अमर उजाला

उड़ान

वर्ष 08 | अंक 29 | बुधवार | 8 जुलाई 2020 | ₹1

एनडीए

NDA

देश सेवा से जुड़ा करियर

PAGE 06

करियर मंत्रा

वायरलेस चार्जिंग तकनीक के आगमन ने देश में रोजगार की नई संभावनाएं पैदा की हैं...

PAGE 10

रास्ते और भी

मार्केटिंग मैनेजमेंट आज के दौर में अहम कोर्स है जिससे युवा नई ऊंचाई पा सकते हैं...

VISIT…

विश्वास की डोर

थाम आगे बढ़ें

अपनी क्षमताओं को पहचान कर और खुद पर भरोसे के साथ इंसान एक बेहतर दुनिया बना सकता है।

-दलाई लामा

फ्रांसीसी दार्शनिक एमिल कुए की यह उक्ति कि "हर दिन, हर प्रकार से मैं बेहतर और बेहतर बन रहा हूं" व्यक्ति के मन में विश्वास की एक मजबूत नींव रखती है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में जुटे हरेक उम्मीदवार के मन में स्वयं को बेहतर करते जाने का विश्वास ही उसे आगे बढ़ने का जज्बा प्रदान करता है। जिस अभ्यर्थी में यह विश्वास जितने समय तक के लिए बना रहता है वह सफलता की राह पर उतना ही अधिक आगे तक जा पाता है। और, जो कोई भी इस डोर को आजीवन थामे रहता है, वह युगपुरुष बन मिसाल पेश करता है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव आंबेडकर इत्यादि लोग इसी श्रेणी के माने जाते हैं। अपने भीतर इस विश्वास को जगाने के लिए सबसे पहले यह जान लेना चाहिए कि आज जो भी व्यक्ति जिस भी स्थान पर है, सभी ने इस दुनिया में आने के बाद ही उसे हासिल किया है। सब धन में विद्या धन ऐसा धन है जो किसी भी हाल में विरासत में नहीं मिलता। इसे जी- तोड़ मेहनत करके अर्जित करना पड़ता है। आईआईटी-जेईई की परीक्षा हो या नीट अथवा सिविल सेवा जैसी कठिनतम परीक्षा ही क्यों न हो, इनमें साधारण से साधारण पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों का चुना जाना, सफल होने के प्रति उनके अडिग विश्वास का ही परिचायक है। दूसरे शब्दों में कहें तो विश्वास ही वह पहला पायदान है, जो उम्मीदवार को सफलता के शिखर तक ले आता है। यदि मन में सफलता के प्रति अविश्वास स्थान बना ले तो तैयारी के लिए मन पूरी तरह से समर्पित नहीं हो पाता और यही एक कारण सफलता और विफलता के बीच सबसे बड़ी दीवार होता है। वहीं, दूसरी ओर यदि सफलता की चाहत के साथ ही मन में उसे पा लेने का पूर्ण विश्वास हो तो तैयारी के लिए समर्पण और लगन में अकल्पनीय परिवर्तन दिखाई पड़ता है। अत: किसी भी परिस्थिति में विश्वास की ईंट को डिगने नहीं देना चाहिए क्योंकि ऐसा होते ही करियर रूपी महल तैयार होने से पहले ही धराशायी हो जाएगा। किसी ने ठीक ही कहा है कि जो समय आपके अनुकूल हो, उसमें गुरूर मत करना और जो समय आपके खिलाफ हो, उसमें सब्र जरूर करना।

अ अमर उजाला
समूह का प्रकाशन
नवोन्मेषक स्व. अतुल माहेश्वरी

अमर उजाला लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक वीरेंद्र सिंह पठानिया द्वारा अमर उजाला लिमिटेड, सी-21, सेक्टर 59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से प्रकाशित एवं इम्प्रेशन्स प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18, 19, 20, सेक्टर-59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से मुद्रित।

[redacted]

संपादक. देव प्रकाश चौधरी
फोन. 120-4694000, 2583354 फैक्स. 0120-2587325

[redacted]

RNI No. UPHIN/2012/48168
ई-मेल. asktoudaan@amarujala.com

जितनी तेजी से कंप्यूटर की उपयोगिता बढ़ी है, उतनी ही रफ्तार से कंप्यूटर के रख-रखाव और मरम्मत करने वाले हार्डवेयर इंजीनियर की मांग भी बढ़ती जा रही है....

हार्डवेयर नेटवर्किंग क्षेत्र में

जॉब की बढ़ती संभावनाएं

सूचना क्रांति के वर्तमान युग में कंप्यूटर और लैपटॉप की मांग दिनों-दिन बढ़ती जा रही है। सरकार ने भी कंप्यूटर के महत्व को देखते हुए 5वीं कक्षा से ही कंप्यूटर शिक्षा को अनिवार्य कर दिया है। वह समय अब नहीं रहा, जब सूचना को एक देश से दूसरे देश तक पहुंचाने में महीनो लग जाते थे। आज टेक्नोलॉजी हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुकी है। अब कोई ऑफिस नहीं बचा है जहां पर कंप्यूटर का प्रयोग न हो रहा हो। रेलवे, डाक, बैंकिंग आदि सार्वजनिक क्षेत्रों में कंप्यूटर के बढ़ते प्रयोग ने आम व्यक्ति का जीवन काफी सरल बना दिया है। सामान्य घरों से लेकर दुकानों तक कंप्यूटर का खूब प्रयोग हो रहा है। आज जिस तरह से कंप्यूटर की उपयोगिता बढ़ी है, उसी तरह से कंप्यूटर के रख-रखाव और मरम्मत करने वाले हार्डवेयर इंजीनियर की मांग भी उतनी ही तेजी से बजारों में बढ़ती जा रही है। लिहाजा इस क्षेत्र में युवाओं के लिए अपने करियर को सही दिशा देने की भरपूर संभावनाएं हैं।

हार्डवेयर का संबध मुख्यत: कंप्यूटर के कलपुर्जो से होता है, जिनके सहारे कंप्यूटर एक आदमी से हजार गुना काम करता है। हार्डवेयर टेक्नोलॉजी के अंतर्गत कंप्यूटर के निर्माण और रख-रखाव की जानकारी छात्रों को दी जाती है। इस पाठ्यक्रम में सबसे पहले इलेक्ट्रॉनिक के मूलभूत सिद्धांतों से परिचय कराया जाता है। इसमें रजिस्टर, कैपेसिटर, डायोड, ट्रांसफॉर्मर, आईसी व चिप, डिजिटल डिवाइस, एसेंबलिंग ड्राइव, पावर सप्लाई, मॉनिटर, मदरबोर्ड, प्रिंटर ,यूपीएस आदि की विस्तृत जानकारी दी जाती है।

अनिवार्य योग्यताएं

इस समय देश में कई पॉलिटेक्निक तथा निजी संस्थान हैं, जहां हार्डवेयर में डिप्लोमा पाठयक्रम मौजूद है। इनमें प्रवेश के लिए योग्यता 10+2 है।

नेटवर्किंग - नेटवर्किंग मुख्यतः एक कंप्यूटर से दूसरे कंप्यूटर को हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के सहारे आपस में जोड़ने की एक कला है। इसमें छात्रों को कंप्यूटर हार्डवेयर के साथ मॉडम, हब , नेटवर्क वायरिंग जैसे उपकरणों, सैटेलाइट कम्युनिकेशन तथा नेटवर्किंग सॉफ्टवेयर के विभिन्न कार्यों से अवगत कराया जाता है। नेटवर्किंग के कई रूप हैं। पहला लोकल एरिया नेटवर्क(लैन), जिसकी सीमा रेखा एक किलोमीटर तक होती है और जिसके तहत कमरे, ऑफिस, बिल्डिंग आदि की नेटवर्किंग की जाती है। दूसरा मैट्रो पोलिटन एरिया नेटवर्क (मैन), इसकी सीमारेखा 10 किलोमीटर तक है और इसके तहत शहर को नेटवर्किंग के सहारे जोड़ा जाता है। तीसरा, वाइड एरिया नेटवर्क (वैन) होता है, इसकी सीमा रेखा 1000 किलोमीटर तक होती हैं। इसके अंतर्गत एक राज्य से दूसरे राज्यों को नेटवर्किंग के सहारे जोड़ा जाता है। चौथा, इंटरनेट होता है जो सैटेलाइट के द्वारा एक देश से दूसरे देश को जोड़ता है। अक्सर इस तरह की नेटवर्किंग में विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम का प्रयोग होता है। इसके अलावा पाठ्यक्रम में छात्रों को सिक्योरिटी सिस्टम से जुड़ी सारी जानकारियां दी जाती हैं। कंप्यूटर में पड़ी किसी मुप्त सूचना को किस तरह सुरक्षित रखा जाए, यह भी पाठ्यक्रम का हिस्सा है। कई संस्थान ऐसे हैं जहां हार्डवेयर के साथ नेटवर्किंग की भी जानकारी दी जाती है, जबकि कुछ संस्थानों में सिर्फ नेटवर्किंग में ही डिपलोमा कोर्स उपलब्ध है।

अवसर एवं वेतनमान

कंप्यूटर की मांग के साथ -साथ हार्डवेयर तथा नेटवर्किंग एक्सपर्ट की भी मांग बढ़ती जा रही है। खासतौर से कार्यलयों एवं संस्थानो में हार्डवेयर विशेषज्ञों में काफी वृद्धि हुई है। प्रत्येक कंपनी एवं कार्यालय में एक हार्डवेयर एक्सर्पट जरूर रखा जा रहा है। इसके अलावा भी हार्डवेयर विशेषज्ञ के रूप में युवा टेलीकॉम, मोबाईल तथा कंप्यूटर से संबधित इलेक्ट्रानिक गुड्स क्षेत्रों में अपनी जगह बना सकते हैं। अगर आपके पास हार्डवेयर के साथ नेटवर्किंग का भी ज्ञान है तो आपको अपनी जगह बनाने में आसानी होगी। कंप्यूटर बनाने वाली कंपनियों भी ऐसे तकनीकी जानकारों के लिए तमाम अवसर मौजूद रहते हैं। **-सुनील कुमार सिंह**

प्रिय पाठकों...

उड़ान में प्रकाशित लेख व जानकारियां करियर एवं एजुकेशन एक्सपर्ट्स द्वारा उपलब्ध कराई जाती हैं। हम पूरी सावधानी से इन्हें प्रकाशित करते हैं। फिर भी, किसी जानकारी या लेख में आपको कोई त्रुटि लगे या उड़ान को बेहतर बनाने के लिए आपका कोई सुझाव/शिकायत हो, तो आप हमसे asktoudaan@amarujala.com पर संपर्क कर सकते हैं। - धन्यवाद।

एनडीए: साहस और

भारतीय सेना का जितना गौरवशाली इतिहास है, उतना ही गौरवशाली है सेना से जुड़ना। एनडीए इसी के बीच की एक कड़ी है। अगर आप देशसेवा का जज्बा रखते हैं, तो 12वीं के बाद फौज का गेट-वे यानी एनडीए को चुन सकते हैं ....

विपिन गौड़
मैथमेटिक्स एक्सपर्ट

परीक्षा तिथि : 6 सितंबर, 2020

एनडीए में नौकरी करने का एक अलग ही क्रेज होता है। इस नौकरी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि आपको कम उम्र में ही कई अहम जिम्मेदारियां मिल जाती हैं। यहां देश सेवा करने का बेहतरीन अवसर मिलता ही है, इसके साथ ही सैलरी भी काफी दमदार होती है। यही कारण है कि अधिकतर युवा इस नौकरी को पाने के लिए एनडीए परीक्षा की तैयारी करते हैं। हाल ही में इसके लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

मानसिक मजबूती है जरूरी

एनडीए की परीक्षा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं से काफी अलग होती है। अन्य परीक्षाओं में जहां मानसिक मजबूती देखी जाती है, वहीं इस परीक्षा में शारीरिक और मानसिक दोनों की मजबूती आवश्यक है। यही कारण है कि एनडीए एंड एनए परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले स्टूडेंट्स कम उम्र में ही कमीशंड सैन्य अधिकारी बन जाते हैं।

बारहवीं उत्तीर्ण होना जरूरी

एनडीए परीक्षा के लिए केवल अविवाहित पुरुष अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा, एयरफोर्स एवं नेवी के लिए फिजिक्स व मैथमेटिक्स विषयों के साथ 12 वीं उत्तीर्ण होना चाहिए। हालांकि, आर्मी विंग के लिए किसी भी स्ट्रीम से बारहवीं पास युवा आवेदन कर सकते हैं। जो युवा बारहवीं की परीक्षा में शामिल हो रहे हैं, वे भी इस प्रतियोगिता परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। लेकिन उन्हें एसएसबी इंटरव्यू के समय 12वीं उत्तीर्ण करने का प्रमाण देना होगा।

क्या है एग्जाम पैटर्न

एनडीए परीक्षा में दो विषयों की कुल 900 अंकों की परीक्षा होती है - पहला, मैथमेटिक्स और दूसरा जनरल एबिलिटी टेस्ट। दोनों के ढाई-ढाई घंटे के पेपर होते हैं। मैथमेटिक्स का पेपर 300 और जनरल एबिलिटी का पेपर 600 अंकों का होता है। सभी प्रश्न ऑब्जेटिक्व टाइप के होते हैं। एसएसबी में ओएलक्यू (ऑफिसर लाइक क्वालिटीज़) की जांच की जाती है। रिटेन टेस्ट क्लियर करने वाले अभ्यर्थियों को सेना के सर्विस सेलेक्शन बोर्ड यानी एसएसबी द्वारा इंटरव्यू और व्यक्तित्व परीक्षण के लिए कॉल किया जाता है।

प्रिपरेशन का ऐसे दें फाइनल टच

देश सेवा का सपना लिए वे उम्मीदवार जो दो

देश सेवा से जुड़ा करियर

महीने बाद एनडी-एनए एग्जाम में शामिल होने वाले हैं, अब वे अपनी प्रिपरेशन को फाइनल टच दे रहे होंगे। कैल्कुलेशंस के लिए मैथमैटिक्स की शॉर्ट ट्रिक्स भी आनी चाहिए, जिससे उनके समय की बचत हो। इस एग्जाम में समय बहुत महत्वपूर्ण है। एनडीए-एनए एग्जाम से पहले एक ओवरऑल प्रिपरेशन या रिविजन स्ट्रैटजी एस्पिरेंट्स के लिए हेल्पफुल होती है। प्रिपरेशन या रिवीजन स्ट्रैटजी बनाने के बाद एस्पिरेंट्स को एग्जाम में पूछे जाने वाले दोनों पेपर के कुछ महत्वपूर्ण टॉपिक्स का अध्ययन जरूर करना चाहिए।

पेपर-1 (मैथमेटिक्स)

- एनडीए एंड एनए एग्जाम में पेपर-1 मैथमैटिक्स का होता है।
- जो एस्पिरेंट्स खुद को मैथमैटिक्स में कमजोर समझते हैं और वह इस एग्जाम में अपीयर हो रहे हैं तो उन्हें एलजेब्रा, ट्रिगनोमेट्री और जियोमेट्री की प्रैक्टिस अवश्य करनी चाहिए।
- इन टॉपिक्स के अलावा एस्पिरेंट्स को मैट्रिसेस एंड डिटरमिनेंट्स, कैल्कुलस, स्टैटिस्टिक एंड प्रोबेबिलिटी, एनालिटिकल जियोमेट्री, वेक्टर एलजेब्रा पर भी ध्यान देना चाहिए।
- इस एग्जाम में मैथमैटिक्स का लेवल 12वीं क्लास का होता है, इसलिए एस्पिरेंट्स को 11वीं और 12वीं दोनों ही क्लासेस के क्वेश्चंस की प्रैक्टिस करनी चाहिए।
- एस्पिरेंट्स को कुछ सिंपल कैल्कुलेशंस के लिए मैथमैटिक्स की शॉर्ट ट्रिक्स भी आनी चाहिए, जिससे उनका टाइम वेस्ट न हो।

पेपर-2 (जनरल एबिलिटी)

एनडीए-एनए में पेपर-2 जनरल एबिलिटी यानी होता है। इस सेक्शन के अंदर इंग्लिश और जनरल नॉलेज आता है।

भाग-A, जनरल नॉलेज

जनरल नॉलेज एक ब्रॉड सब्जेक्ट है, जिसमें फिजिक्स, केमिस्ट्री, जनरल साइंस, सोशल स्टडीज, ज्योग्राफी और करेंट इवेंट्स जैसे क्षेत्र कवर किए जाते हैं।

- रिवीजन के लिए एस्पिरेंट्स तीन से चार महीने पहले के सभी जरूरी इवेंट्स को पढ़ लें।
- नेशनल और इंटरनेशनल लेवल की महत्वपूर्ण पर्सनालिटीज और उनकी हालिया गतिविधियों के बारे में पता होना चाहिए।
- ज्योग्राफी में एस्पिरेंट्स अर्थ, एटमॉस्फियर और इंडिया की ज्योग्राफी के बारे में जरूर पढ़ें। वहीं हिस्ट्री में फ्रीडम मूवमेंट और इंडियन कॉन्स्टिट्यूशन एवं एडमिनिस्ट्रेशन को भी एक बार रिवाइज कर लें।
- फिजिक्स और केमिस्ट्री के रिवीजन के लिए एस्पिरेंट्स बेसिक्स से रिवीजन करना स्टार्ट करें।
- अक्सर एस्पिरेंट्स जनरल साइंस के एरिया में कंफ्यूज हो जाते हैं कि वह उसमें क्या पढ़ें। इस एरिया में एस्पिरेंट्स को ह्यूमन बॉडी और उसके ऑर्गन्स की नॉलेज और महत्व पता हो, सोलर सिस्टम, अचीवमेंट्स ऑफ साइंटिस्ट्स के बारे में भी पता होना चाहिए।

भाग-B, अंग्रेजी

- अंग्रेजी के सेक्शन में ज्यादातर एस्पिरेंट्स को वोकैबुलरी वाले पार्ट में प्रॉब्लम होती है। अगर एस्पिरेंट्स इस एक महीने में खुद को 1000 वर्ड्स के साथ प्रिपेयर कर लेते हैं, तो वह वोकैबुलरी से जुड़ी कोई दिक्कत नहीं फेस करेंगे।
- एस्पिरेंट्स अपने सेंटेंस फॉर्मेशन पर भी ध्यान दें क्योंकि कॉम्प्रिहेंशन सॉल्व करने के लिए यह जरूरी होता है।
- इसमें पैरा जंबल के क्वेश्चंस थोडे ट्रिकी होते हैं, इसलिए इनकी ज्यादा प्रैक्टिस करें।

मोबाइल के साथ वायरलेस चार्जिंग की सुविधा कई जानी मानी कंपनियां दे रहीं हैं जिससे रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ ही साथ नई संभावनाएं भी पैदा हुई हैं....

वायरलेस चार्जिंग तकनीक

भविष्य को दें नई बुलंदी

एपल, सैमसंग, एलजी, मोटोरोला समेत कई दिग्गज टेक कंपनियां इन दिनों मोबाइल के साथ वायरलेस चार्जिंग की सुविधा दे रही हैं। इस नई तकनीक के बढ़ते दायरे और विस्तार ने युवाओं के लिए करियर के नए अवसर खोल दिए हैं।

क्या है वायरलेस चार्जिंग?

ज्यादातर वायरलेस चार्जर मैग्नेटिक इंडक्शन का इस्तेमाल करते हैं, जिससे यूजर को डिवाइस चार्ज करने के लिए किसी वायर की जरुरत नहीं पड़ती, बल्कि चार्जर पर रखते ही डिवाइस चार्ज होना शुरू हो जाता है। एनर्जी को एक स्थान से दूसरे स्थान भेजने के लिए ये मेग्नेटिस्म का प्रयोग करते हैं।

वायरलेस चार्जर के काम करने का तरीका-

दीवार से आने वाला करंट इस वायरलेस चार्जर में मौजूद वायर में आकर मैग्नेटिक फील्ड पैदा करेगा। ये मैग्नेटिक फील्ड वायरलेस चार्जर पर रखी डिवाइस में मौजूद क्वाइल में करंट पैदा कर देगी। इसके बाद ये मैग्नेटिक एनर्जी इलेक्ट्रिकल एनर्जी में बदल जाएगी, जिसका इस्तेमाल बैटरी को चार्ज करने के लिए किया जाता है। वायरलेस चार्जर का इस्तेमाल कर पाने के लिए आपकी डिवाइस में इस चार्जर को सपोर्ट करने के लिए सही हार्डवेयर का होना जरूरी होता है, क्योंकि जरुरी क्वाइल के बिना डिवाइस को वायरलेस चार्ज नहीं किया जा सकता।

ये है करियर के विकल्प

देश-दुनिया की बड़ी टैक्नोलॉजी कंपनियां वायरलेस चार्जिंग की ओर तेजी से बढ़ रही हैं। इसकी वजह से इस क्षेत्र में करियर भी बढ़ने लगे हैं। वायरलेस चार्जिंग के क्षेत्र में सिस्टम आर्किटेक्ट, इंटीग्रेशन इंजीनियर, ऑप्टिकल इंजीनियर, एंबेडेड सॉफ्टवेयर इंजीनियर, हार्डवेयर इंजीनियर और सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में मौके मौजूद हैं। इसमें अलग-अलग जॉब रोल के हिसाब से काम तय होता है। सिस्टम आर्किटेक्ट का मुख्य काम पावर डिलीवरी प्रोडक्ट और प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित करना होता है। यह एक मल्टी टेक्निकल डोमेन काम है, जिसमें डिजिटल एंड एनालॉग हार्डवेयर, एंबेडेड सॉफ्टेवयर, सर्वर साइड, एप्लीकेशन, नेटवर्क आर्किटेक्चर, ऑप्टिक्स, अलॉगरिदम आदि के बारे में काम होता है। इसी तरह अन्य जॉब रोल का काम अलग-अलग मैन्यूफैक्चरिंग, डिजाइनिंग, ऑप्टिकल सिस्टम और मॉड्यूल का होता है।

कैसे हो सकती है एंट्री

यह एक मूल रूप से इंजीनियरिंग का विकसित रूप है। इसके लिए 12वीं में साइंस के विद्यार्थी को आसानी से प्रवेश मिल जाता है। बीटेक इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन, कंप्यूटर साइंस और बीएससी फिजिक्स व कंप्यूटर साइंस वाले छात्रों के लिए करियर की राह आसान होती है। बीटेक या बीएससी के साथ यदि ऑप्टिकल फाइबर, मैग्नेटिज्म और पावर ट्रांसमिशन को लेकर शॉर्ट टर्म कोर्स कर लिया जाए, तो विद्यार्थी के लिए बहुत लाभकारी होता है। देश में कई यूनिवर्सिटी और इंजीनियरिंग कॉलेज में इस तरह की पढ़ाई होती है। इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रॉनिक्स की बुनियादी समझ विकसित करने में इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया भी प्रशिक्षण देती है।

करियर के अवसर

वायरलेस चार्जिंग तकनीक अब केवल मोबाइल और स्मार्टवॉच तक सीमित नहीं है। इसका दायरा बढ़ता जा रहा है। सूक्ष्म, लघु उद्योगों से लेकर दूसरी इंडस्ट्री में इसके इस्तेमाल पर जोर दिया जा रहा है। इस वजह से वैश्विक स्तर पर तेजी से बाजार बढ़ रहा है। एलाइड मार्केट रिसर्च के मुताबिक, वर्ष 2027 तक यह क्षेत्र करीब 23.4 फीसदी की दर से बढ़ेगा। भारत में यह 14.5 फीसदी की दर से यह बढ़ रहा है।

कहां मिल सकती है नौकरियां

वायरलेस चार्जिंग टेक्नोलॉजी की तरफ सभी बड़ी तकनीकें कंपनियां अपना रही हैं। इसके अलावा दूसरे सेक्टरों में भी इसका इस्तेमाल बढ़ रहा है। इसमें करियर के अवसर रेसोनेंट टेक्नोलॉजी सेगमेंट, कंज्यूमर एप्लीकेशन, इंडक्टिव टेक्नोलॉजी और हेल्थ केयर एप्लीकेशन के क्षेत्र में मौजूद हैं। यदि रोजगार के लिहाज से उद्योगों की बात करें, तो मुख्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स एक बड़ा रोजगार देना वाला क्षेत्र है। इसमें रिसर्च एंड डेवलपमेंट, मैन्यूफैक्चरिंग, टेस्टिंग, टैक्नोलॉजी इंटीग्रेशन समेत कई रूप में मौजूद है। इसके अलावा ऑटोमैटिव, इंडस्ट्रियल, हेल्थ केयर, ऊर्जा, एयरोस्पेस एवं डिफेंस सेक्टर में भी करियर के अवसर मौजूद हैं।

नरेंद्र कुमार मोहापात्रा
सीईओ, इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर स्किल्स कॉउन्सिल ऑफ़ इंडिया

मंगू बचपन में ही अपने मां-बाप को खो देने के कारण नानी के साथ रहता था। शाम को तारों के नीचे, चारपाई पर बैठ, नानी से भोजन खाना ही मानो मंगू का जीवन था...

तारे और लड्डू

यह कहानी है 1980 के दशक की। कहानी का मुख्य पात्र है मंगू, जो शहर से लगभग चार कोस दूर एक विशालकाय तालाब के नजदीक स्थित पुरुआ गांव में रहता था। शोर-शराबे से दूर पुरुआ अपनी धीमी गति से मंगू की कहानी बुनने में लगा था। मंगू महज पांच साल का था और बचपन में ही अपने मां-बाप को खो देने के कारण अपनी नानी के साथ रहता था। रोज़ शाम को तारों के नीचे, चारपाई पर बैठ, नानी के हाथों से चावल और दाल के गोल लड्डू खाना ही मानों मंगू का जीवन था।

हरे रंग के एक पुराने से बस्ते से सजा मंगू गांव में ही स्थित एक प्राइमरी विद्यालय में पढ़ाई करने जाया करता था। पर जिस बात के लिए पूरा गांव मंगू को जानता था वह थी उसकी चित्रकारी। कई बार तो मंगू के अध्यापक उसकी चित्रकारी से इतने प्रभावित हो उठते थे कि उसकी नानी को बोलते, "इसे चार कोस दूर स्थित प्राइवेट विद्यालय में क्यों नहीं भेजती?" पर आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण नानी उनकी बातों को टाल देती।

एक रोज़ शाम की बात है जब मंगू अपनी नानी के साथ पास के बाजार घूमने गया था, वही गांव के एक अध्यापक ने मंगू की नानी को बताया कि एक स्कॉलरशिप के तहत मंगू को शहर के विद्यालय में जाने का मौका मिला सकता है। हालांकि नानी को मंगू से दूर रहना तनिक भी मंजूर न था। पर यह सोच कि मंगू को भला वो इससे बेहतर दे भी क्या सकती थी, हां में सर हिला दिया।

रोता बिलखता मंगू आखिर शहर आ ही गया। दिन बीतते गए और मंगू की उदासी बढ़ती गयी, वो अपनी नानी की याद में जो पड़ा था। एक दिन मंगू के प्रिय अध्यापक आनंद जी ने मंगू को बताया कि चित्रकारिता की एक बहुत बड़ी प्रतियोगिता हो रही है जिसमें भारत के प्रसिद्ध चित्रकार हिस्सा लेंगे एवं जीतने वाले को दो

सुधांशु राय

लाख रुपये की नकद धनराशि मिलेगी। मंगू ने तुरंत पूछा, "मास्टरजी मैं तो बहुत छोटा हूं, इतने बड़े लोगों के सामने कैसे जीतूंगा?" तब अध्यापक जी ने धीरे से मंगू के कान में कहा "कला बड़े या छोटे में फर्क नहीं देखती। महत्व तो कलाकार की रचना का है। अगर तुम इस धनराशि को जीत सके तो गांव के पास स्थित प्राइवेट स्कूल में भी दाखिला ले नानी के वापस रह सकते हो।"

दिन बीते और चित्रकारिता समारोह का दिन आ गया। बड़े-बड़े चित्रकार आए और मंगू ने भी अपनी जगह ले ली। प्रतियोगिता के तीन चरण निर्धारित किये गए और हर एक चरण का एक विषय चिन्हित किया गया। निर्णयकर्ताओं ने पहले चरण का विषय बताया कुछ ऐसा बनाओ जो आपके जीवन में सबसे अधिक मूल्यवान हो। सबने अलग-अलग चित्र बनाए। मंगू ने अपना बस्ता बनाया, जिस पर चार बड़े चकत्ते थे और जगह-जगह नानी लिखा हुआ था। जब मंगू से पूछा गया तब उसने बताया, "यह मेरे साथ बचपन से है। मेरी हर याद में मेरा साथी और मेरे जीवन का अमूल्य अंग है।"

निर्णयकर्ता छोटे-से बच्चे की चित्रकारी से प्रसन्न हुए और उससे अगले चरण में आने का मौका दिया। इस चरण का विषय दिया गया कि कुछ ऐसा बनाओ जो आपको जीने की प्रेरणा देता है। मंगू ने गांव में अस्त-व्यस्त एक छोटी से झोपड़ी बनाई, जिसके दरवाजे पर एक बूढ़ी सी औरत किसी का इंतज़ार कर रही थी। निर्णयकर्ताओं ने जब मंगू से पूछा कि यह क्या बनाया है और ये बूढ़ी औरत किसका इंतज़ार कर रही है, तो मंगू ने झट से कहा, "अरे मास्टरजी ये तो मेरी नानी है और ये मेरी राह देख रही है। निर्णयकर्ताओं को चित्रकारिता पसंद आई और उन्होंने मंगू को अंतिम चरण में आने की अनुमति दे दी।

अंतिम चरण में कुल तीन चित्रकारों को चुना गया। इस चरण में विषय था कुछ ऐसा बनाएं जो जीवन का एक विशालकाय रूप दर्शाता हो। पहले प्रतियोगी ने बरगद का पेड़ बनाया, दूसरे ने पहाड़ पर मंगू ने तारों तले चावल-दाल के लड्डू बनाए पूछने पर मंगू ने कहा, "अरे ये कोई साधारण लड्डू नहीं हैं, बल्कि मेरी नानी के हाथ के बने हैं, और नानी और ये लड्डू दोनों मेरे जीवन को विशालकाय बनाते हैं।"

मंगू की इस चित्रकारी को देख सभी निर्णायक भावुक हो उठे लेकिन पुरस्कार बरगद वाले प्रतियोगी को दिया गया। यह सुन मंगू के चेहरे पर उदासी छा गई। मंगू अभी जाने के लिए पलटा ही था कि अचानक से बाल पुरस्कार घोषित किया गया जिसकी धनराशि डेढ़ लाख रुपये थी। यह सुन मंगू ख़ुशी से झूम उठा और पुरस्कार की ओर दौड़ गया। जल्दी ही मंगू ने गांव के पास बने प्राइवेट विद्यालय में दाखिला ले लिया और फिर से अपनी नानी के साथ तारों और लड्डू की बातें करने लगा।

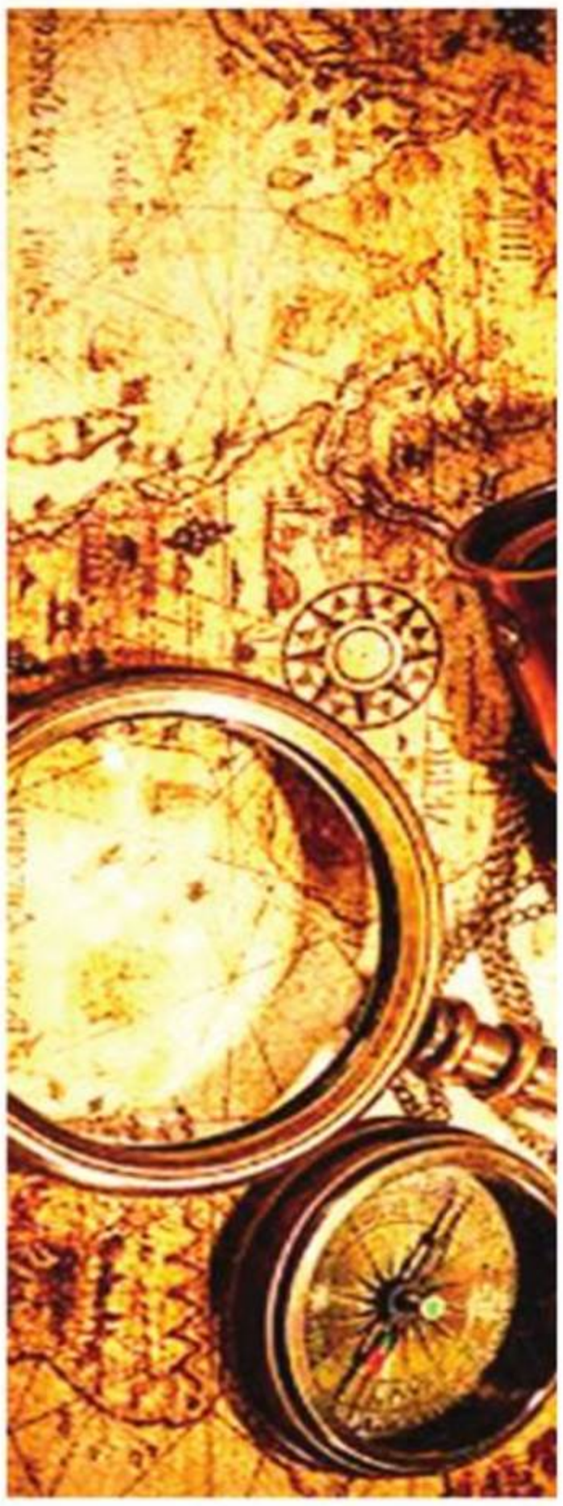

अपने सामान्य ज्ञान को बेहतर करने के लिए जरूरी है कि पिछली परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों का पैटर्न समझा जाए...

विशाखापत्तनम में आयोजित 34वीं वरिष्ठ महिला राष्ट्रीय भारोत्तोलन चैंपियनशिप में निम्नलिखित में से किस भारतत्तोलक पर डोपिंग के उल्लंघन का दोषी पाए जाने पर एनएडीए (नाडा) ने चार साल का प्रतिबंध लगया है? (SSC CGL Exam- 2019)

(a) सनमाचा थिंगबजानी चानू
(b) सीमा
(c) सतीशा राय
(d) सरबजीत कौर

जवाब: (d) सरबजीत कौर

व्याख्या: महिला वेटलिफ्टर सरबजीत कौर पर राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने डोपिंग के कारण चार साल का प्रतिबंध लगाया है. सरबजीत का सैंपल विशाखापत्तनम में हुई 34वीं महिला सीनियर नेशनल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में लिया गया था, जिसमें नाडा के मुताबिक प्रतिबंधित पदार्थ के अंश पाए गए हैं। इससे पहले भी सरबजीत को प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन का दोषी पाया गया था। भारोत्तोलक सरबजीत कौर ने 34वीं महिला सीनियर नेशनल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में 71 किग्रा वर्ग में चैंपियन बनी थीं। इससे पहले 2017 में भी वेटलिफ्टिंग में डोपिंग का मामला सामने आया था। तब कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतने वाली सीमा डोप टेस्ट में फेल हो गई थीं। इसके बाद सीमा पर चार साल का प्रतिबंध लगा दिया गया था। भारत में वेटलिफ्टिंग में डोपिंग की समस्या पुरानी है। एक बार तो वेटलिफ्टिंग की शीर्ष अंतरराष्ट्रीय संस्था ने इसके कारण भारत पर ही प्रतिबंध लगा दिया था।

किनकी याद में गुजरात में माधवपुर मेला मनाया जाता है?(SSC CGL Exam- 2019)

(a) भगवान कृष्ण और द्रौपदी
(b) भगवान कृष्ण और रुक्मिणी
(c) भगवान कृष्ण और राधा
(d) भगवान शिव और पार्वती

जवाब: (b) भगवान कृष्ण और रुक्मिणी

व्याख्या: केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास के लिए डॉ. जितेंद्र सिंह ने 8 जनवरी 2020 को नई दिल्ली में माधवपुर मेला के मेगा उत्सव की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए गुजरात सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। गुजरात का माधवपुर मेला अप्रैल 2020 के पहले सप्ताह में आयोजित किया जाना था। उत्तरी पूर्वी क्षेत्र के 8 राज्य महोत्सव में भाग लेने वाले थे। गुजरात का माधवपुर मेला अरुणाचल प्रदेश की मिश्मी जनजाति से अपना संबंध रखता है। माधवपुर मेला पूर्वोत्तर, विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर से शानदार लोक सांस्कृतिक प्रदर्शनों का गवाह बनना था। असम के समूह रुक्मिणी-हरन का प्रदर्शन करेंगे, जो क्षेत्र का एक लोकप्रिय लोक रंगमंच है। मणिपुर की संगीत मंडली खुल्लोंग ईशाई और नेट जीन में रुक्मिणी से संबंधित गीत गाएगी। अरुणाचल और मणिपुर से रुक्मिणी-कृष्ण किंवदंतियों पर आधारित नृत्य-नाटक और अरुणाचल से इडु मिश्मी जनजाति के लोक नृत्य विविध प्रदर्शनों का हिस्सा होंगे। मिश्मी जनजाति पौराणिक राजा भीष्मक और उसके माध्यम से अपनी बेटी रुक्मिणी और भगवान कृष्ण के वंश से संबंधित है। त्योहार अमर यात्रा मनाते हैं जो रुक्मिणी भगवान कृष्ण के साथ अरुणाचल प्रदेश से गुजरात तक ले गईं। निचली दिबांग घाटी जिले के रोइंग के पास स्थित भीष्मनगर का भी उल्लेख कालिका पुराण में मिलता है।

निम्नलिखित में से भारत के किस वायसराय ने 1943 के बंगाल के अकाल पर ध्यान दिया और सेना को भूख से पीड़ित ग्रामीण बंगालियों को राहत सामग्री वितरित करने का आदेश दिया था? (SSC CGL Exam- 2019)

(a) लॉर्ड लिनलिथगो
(b) लॉर्ड विलिंगटन
(c) लॉर्ड माउंटबेटन
(d) लॉर्ड वेवेल

जवाब: (a) लॉर्ड लिनलिथगो

व्याख्या: 1943-44 में बंगाल (वर्तमान बांग्लादेश, भारत का पश्चिम बंगाल, बिहार और उड़ीसा) एक भयानक अकाल पड़ा था जिसमें लगभग 30 लाख लोगों ने भूख से तड़पकर अपनी जान जान गंवाई थी। ये द्वितीय विश्वयुद्ध का समय था। माना जाता है कि अकाल का कारण अनाज के उत्पादन का घटना था, जबकि बंगाल से लगातार अनाज का निर्यात हो रहा था। 1943 के बंगाल में कोलकाता की सड़कों पर भूख से हड्डी हड्डी हुई मांएं सड़कों पर दम तोड़ रही थीं। लोग सड़े खाने के लिए लड़ते दिखते थे तो ब्रिटिश अधिकारी और मध्यवर्ग भारतीय अपने क्लबों और घरों पर गुलछर्रे उड़ा रहे थे। बंगाल की मानव-रचित भुखमरी ब्रिटिश राज के इतिहास के काले अध्यायों में से एक रही है। 1942 के आखिर में

और 1943 की शुरुआत में, वाइसराय लिनलिथगो, बंगाल के राज्यपाल जॉन हर्बर्ट, भारत में ब्रिटिश सेना के कमांडर-इन-चीफ जनरल औसिन्लेच्क, और यहाँ तक कि दक्षिणी-पूर्वी एशिया के ब्रिटिश सेना के सुप्रीम कमांडर लार्ड लुइस माउंटबैटन ने बंगाल के लिए लन्दन से खाद्य आयात करने के लिए अनुरोध किया था और सेना से ग्रामीणों को राहत सामग्री वितरित करने का आदेश दिया था।

निम्नलिखित में से कौन-सा भारतीय पोत 8वें इंडो-म्यांमार समन्वित गश्त में भाग लेने वाला है? (SSC CHSL Exam- 2019)

(a) आईएनएस सुकन्या
(b) आईएनएस विक्रांत
(c) आईएनएस सरयू
(d) आईएनएस कार निकोबार

जवाब: (c) आईएनएस सरयू

व्याख्या: 8वीं भारत-म्यांमार गश्ती (आईएमसीओआर) का आयोजन 20 से 28 मई, 2019 के बीच पोर्टब्लेयर में अंडमान निकोबार कमान के तहत हुआ। इसमें म्यांमार नौसेना के जहाज यूएमएस किंग टेबिन-श्वेलएचटी (773) और यूएमएस इनले (ओपीवी-54) एवं भारतीय नौसेना के गश्ती जहाज आईएनएस सरयू ने भाग लिया। इससे पहले कमोडोर हेटिन विन, कमांडर, अय्यरवाडी नौसेना कमान के नेतृत्व में म्यांमार के प्रतिनिधिमंडल ने 20 मई, 2019 को नौसेना कम्पोनेंट कमांडर के सीएमडीई आशुतोष रिढोर्कर, वीएसएम से मुलाकात की। दोनों नौसेनाओं के बीच कॉरपेट पहल का उद्देश्य आतंकवाद, अवैध तरीके से मछली पकड़ने, मादक पदार्थों की तस्करी, मानव तस्करी, अवैध शिकार और अन्य अवैध गतिविधियों से जुड़ी समस्याओं का समाधान करना है। कॉरपेट श्रृंखला मार्च 2013 में शुरू हुई थी। इससे दोनों नौसेनाओं के बीच आपसी समझ बढ़ी है और समुद्री मामले में बेहतर व्यावसायिक संपर्क को बढ़ावा मिला है। दोनों देशों ने लगभग 725 किलोमीटर की दूरी तक जहाज अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमारेखा (आईएमबीएल) के आसपास गश्त की। इन जहाजों ने म्यांमार नौसेना जहाज पर कॉरपेट के समापन समारोह से पूर्व समन्वित गश्ती के (कॉरपेट) के समुद्री चरण के दौरान संयुक्त युद्धाभ्यास और अभ्यास भी किया।

2018 BWF वर्ल्ड टूर फाइनल में पुरुषों के एकल को किसके द्वारा जीता गया था? (SSC CHSL Exam- 2019)

(a) शी युकी
(b) समीर वर्मा
(c) सोन वान-हो
(d) केंतो मोमोतो

जवाब: (a) शी युकी

व्याख्या: BWF टूर फाइनल्स, 2018 बैडमिंटन प्रतियोगिता 12-16 दिसंबर, 2018 तक तियान्हे, गुआंगझु में संपन्न हुई। इसमें पुरुष एवं महिला विजेताओं की सूची इस प्रकार है:

- पुरुष एकल
विजेता- शी युकी (चीन)
उपविजेता- केंटो मोमोता (जापान)
कांस्य पदक- समीर वर्मा (भारत) एवं सोन वान हो (द. कोरिया)

- महिला एकल
विजेता- पी.वी. सिंधु (भारत)
उपविजेता- नोजोमी ओकुहारा (जापान)
- पी.वी. सिंधु BWFवर्ल्ड टूरफाइनल्स का खिताब जीतने वाली प्रथम भारतीय खिलाड़ी हैं। रियो ओलंपिक, 2016के फाइनल से लेकरअब तक दो वर्ष में सिंधु सातवीं बार किसी बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थीपरंतु वह पहली बार स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहीं। सिंधु से पूर्व साइना नेहवाल वर्ष 2011 के वर्ल्ड सुपरसीरीज फाइनल्स के फाइनल में पहुंची थीं।

निम्नलिखित में से शास्त्रीय कर्नाटकी संगीत के लिए कौन प्रसिद्ध है? (SSC CHSL Exam- 2019)

(a) पंडित शिवकुमार शर्मा
(b) पंडित कुमार गंधर्व
(c) बालमुरलीकृष्ण
(d) पंडित रविशंकरकोलंबो

जवाब: (c) बालमुरलीकृष्ण

व्याख्या: मंगलमपल्ली बालामुरली कृष्णा एक कर्नाटक गायक, बहुवाद्ययंत्र-वादक और एक पार्श्वगायक हैं। आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में जन्में बालामुरलीकृष्ण ने बहुत ही कम उम्र में अपना संगीत करियर शुरू किया। पंद्रह साल की उम्र तक वह सभी 72 मेलाकर्थ रागों में महारत हासिल कर चुके थे और उन्हीं में उन्होंने कृतियों की रचना की। जनक राग मंजरी 1952 में प्रकाशित हुई थी और संगीता रिकॉर्डिंग कंपनी द्वारा 9 खंडों की श्रृंखला में इसे रागानंगा रावली के रूप में रिकार्ड किया गया। बालामुरलीकृष्ण के संगीत कार्यक्रमों में मनोरंजन मूल्य के लिए लोकप्रिय मांग के साथ परिष्कृत सुर कौशल और शास्त्रीय संगीत के तालबद्ध पैटर्न का मेल देखा जाता है। बालामुरली कृष्ण को अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, इटली, फ्रांस, रूस, श्रीलंका, मलेशिया, सिंगापुर, मध्य पूर्व और अन्य सहित कई देशों में संगीत कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया है। जबकि उसकी मातृभाषा तेलुगू है, वे न केवल तेलुगू, बल्कि कन्नड़, संस्कृत, तमिल, मलयालम, हिन्दी, बंगाली, पंजाबी सहित कई भाषाओं में गाते हैं। उन्होंने एवीएम प्रोडक्शंस के बैनर तले "भक्त प्रहलाद" (1967) नाम की तेलुगू फिल्म में नारद का अभिनय किया, जिसमें उन्होंने अपने गीत गाये. उन्होंने कुछ और फिल्मों में भी काम किया।

पहले से ऑन कंप्यूटर को रीस्टार्ट करने को कहते हैं
■ वार्म बूटिंग

जावा कंप्यूटर लैंग्वेज का प्रयोग किया जाता है ?
■ इंटरनेट में

ई-मेल के दो भाग के नाम हैं
■ प्रयोक्ता का नाम व डोमेन नेम

भारत में सबसे पहले दिखाई देने वाला वायरस है
■ सी-ब्रेन

कंप्यूटर में कैड शब्द का संबंध है
■ डिजाइन से

प्वाइंट एंड ड्रा डिवाइस को जाना जाता है
■ माउस से

आदित्य क्या है?
■ भारत का सुपर कंप्यूटर

माइक्रोप्रोसेसर किस पीढ़ी का कंप्यूटर है
■ चतुर्थ पीढ़ी का

सेलफोन में किस प्रकार के स्टोरेज डिवाइज का प्रयोग किया जाता है
■ फ्लैश

मुख्य डॉक्यूमेंट के मेल मर्ज के चार प्रकार हैं।
■ फार्म लेटर्स, अनवेलप व लेबल्स व निर्देशिका

आप एक्सेल में किस कुंजी (key) को दबाकर विद्यमान आंकड़ों में संशोधन कर सकते हैं।
■ F2

कौन सा खंड स्लाइड लेआउट में विद्यमान नहीं होता है?
■ एनीमेशन

कीबोर्ड से स्माल टैक्स्ट को कैपिटल में किस प्रकार किया जा सकता है?
■ sift+clt+K

रामायण, महाभारत और गीता प्रैक्टिकल मैनेजमेंट ज्ञान का भंडार हैं। वैसे हर धर्म की पवित्र पुस्तकें मैनेजमेंट से जुड़ी प्रैक्टिकल नॉलेज का कालातीत स्रोत हैं....

मार्केटिंग मैनेजमेंट के उस्ताद बनें

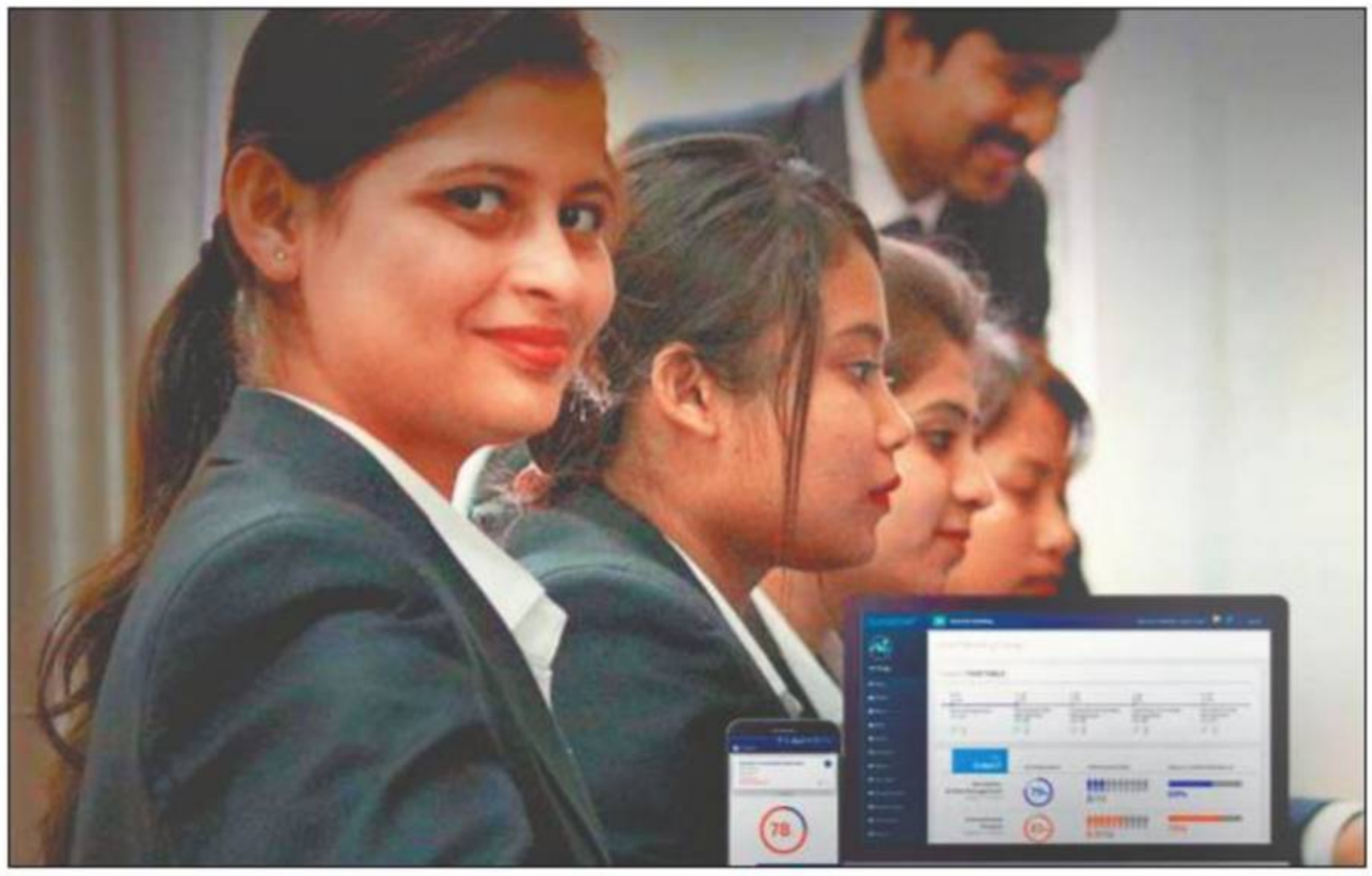

मार्केटिंग मैनेजमेंट मार्केटिंग मानवीय और सामाजिक आवश्यकताओं की पहचान करने और उन्हें संतुष्ट करने से संबंधित है। सरल शब्दों में मार्केटिंग मैनेजमेंट का अर्थ है: मानवीय और सामाजिक आवश्यकताओं को संतोषजनक तरीके से पूर्ण करना। मार्केटिंग (विपणन) को आमतौर पर उपभोक्ताओं और व्यवसायों के लिए वस्तुओं और सेवाओं को बनाने, बढ़ावा देने और वितरित करने के कार्य के रूप में देखा जाता है। वास्तव में मार्केटिंग एक्सपर्ट दस तत्वों की मार्केटिंग करते हैं: वस्तुएं, सेवायें, अनुभव, घटनाएं, व्यक्ति, स्थान, गुण, संगठन, सूचना एवं विचार। संगठन, मार्केटिंग गतिविधियों का संचालन करने के लिए निम्नलिखित अवधारणाएं इस्तेमाल करते हैं:

- उत्पादन अवधारणा, उत्पाद अवधारणा,
- विक्रय अवधारणा, मार्केटिंग अवधारणा,
- ग्राहक अवधारणा, और
- सामाजिक मार्केटिंग अवधारणा।

उत्पादन अवधारणा: उत्पादन अवधारणा के अनुसार उपभोक्ता उन उत्पादों को पसंद करेंगे जो व्यापक रूप से उपलब्ध हों और सस्ते हों। उत्पादन उन्मुख कंपनियों के प्रबंधक उच्च उत्पादन क्षमता, कम लागत और बड़े पैमाने पर वितरण को प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

उत्पाद अवधारणा: उत्पाद अवधारणा के अनुसार उपभोक्ता उन उत्पादों को पसंद करेंगे जो सर्वोच्च गुणवत्ता या अभिनव सुविधाएं प्रदान करते हैं।

विक्रय अवधारणा: विक्रय अवधारणा के अनुसार उपभोक्ता संगठन के उत्पादों को पर्याप्त मात्रा में नहीं खरीदेंगे। इसलिए संगठन को एक आक्रामक बिक्री और संवर्धन का प्रयास करना चाहिए।

मार्केटिंग अवधारणा: मार्केटिंग अवधारणा के अनुसार अपनी प्रतियोगियों की तुलना में कंपनी को बेहतर उत्पादों का निर्माण, वितरण और संचार करने में अधिक प्रभावी होना चाहिए।

ग्राहक अवधारणा: ग्राहक अवधारणा के अनुसार कंपनी को ग्राहक विशेष की पसंद के आधार पर सेवाओं और उत्पादों की पेशकश करनी चाहिए। टेलीकॉम कंपनियां ग्राहक अवधारणा का प्रयोग कर रही हैं।

सामाजिक मार्केटिंग अवधारणा: सामाजिक मार्केटिंग अवधारणा के अनुसार, विपणनकर्ताओं का मार्केटिंग की अपनी प्रथाओं में सामाजिक और नैतिक विचारों का निर्माण करना चाहिए।

विश्व के कुछ शीर्ष-श्रेणी वाले मैनेजमेंट संस्थानों में पहले दिन ही छात्रों को निम्नलिखित किताबें पढ़ने का एक असाइनमेंट दिया जाता है:

1. सुन त्जु की द आर्ट ऑफ़ वॉर,
2. एडम स्मिथ द्वारा लिखित वेल्थ ऑफ़ नेशंस,
3. मैकियावेली की द प्रिंस, क्योंकि इन पुस्तकों में प्रबंधन का सार है। शीर्ष-श्रेणी प्रबंधन संस्थानों में प्रबंधन को समझाने के लिए कुछ फिल्में जैसे कि लगान एवं मुन्ना भाई एमबीबीएस दिखाई जाती हैं। मार्केटिंग मैनेजमेंट और ऐड मैनेजमेंट को निम्नलिखित ग्यारह फिल्मों में अच्छी तरह से चित्रित किया गया है:

- क्रेजी पीपल (1990),द जोनेसेस (2009)
- वाग द डॉग (1997), लेमोनेड (2009)
- व्हाट वीमेन वांट (2000),
- बायलर रूम (2000), जॉब्स (2013)
- थैंक यू फॉर स्मोकिंग (2005),
- आर्ट एंड कॉपी (2009), सिरप (2013)
- द ग्रेटेस्ट मूवी एवर सोल्ड (2011)।

यदि आपको किसी प्रबंधन संस्थान में अध्ययन करने का मौका नहीं मिला, तो आप ऊपर लिखी हुई फिल्मों के माध्यम से और कुछ बुद्धिजीवियों जैसे कि पीटर ड्रकर, फिलिप कोटलर, जेरोम मैकार्थी, रॉबर्ट लॉटरबॉर्न, थियोडोर लेविट, ड्रेटन बर्ड, मैल्कम मैकडोनाल्ड, पॉल स्टोबार्ट, मर्लिन स्टोन और रेजिस मैककेना द्वारा लिखे गए लेखों को पढ़कर भी मार्केटिंग मैनेजमेंट के उस्ताद बन सकते हैं। दुनिया अस्थिर, अनिश्चित, जटिल और अस्पष्ट है। आज यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि डिजिटल क्रांति ने मार्केटिंग परिदृश्य को बदल दिया है। डिजिटलाइजेशन और कनेक्टिविटी, विच्छेदन और पुनर्व्याख्या, अनुकूलन और ग्राहकीकरण, और उद्योग अभिसरण, नवीन विश्व अर्थव्यवस्था को आकार दे रहे हैं। आज कुछ सवाल विचारणीय हैं:

- कंपनियां अपनी लागत को कम करने और अपने उत्पादन और वितरण प्रणालियों के डिजिटलीकरण को गति देने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग कैसे कर सकती हैं?
- सामाजिक दायित्व कार्यक्रमों में कंपनियों को कितना निवेश करना चाहिए? भुगतान को कैसे मापा जा सकता है?
- क्या यह कंपनियों के लिए अधिक लाभदायक होगा यदि वे पारंपरिक विज्ञापन और प्रचार पर कम खर्च करते हैं और नवाचार पर अधिक। इसके अलावा वे अपने उत्पादों और सेवाओं में सुधार रहें, ताकि ग्राहक ही अपनी बातों से कंपनी के विकास के लिए इंजन के रूप में काम कर सकें।

-वालेस जेकब, मैनेजमेंट प्रोफेसर

INITIATIVE

एसपीएमजीसी में नए ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्सेज की शुरुआत

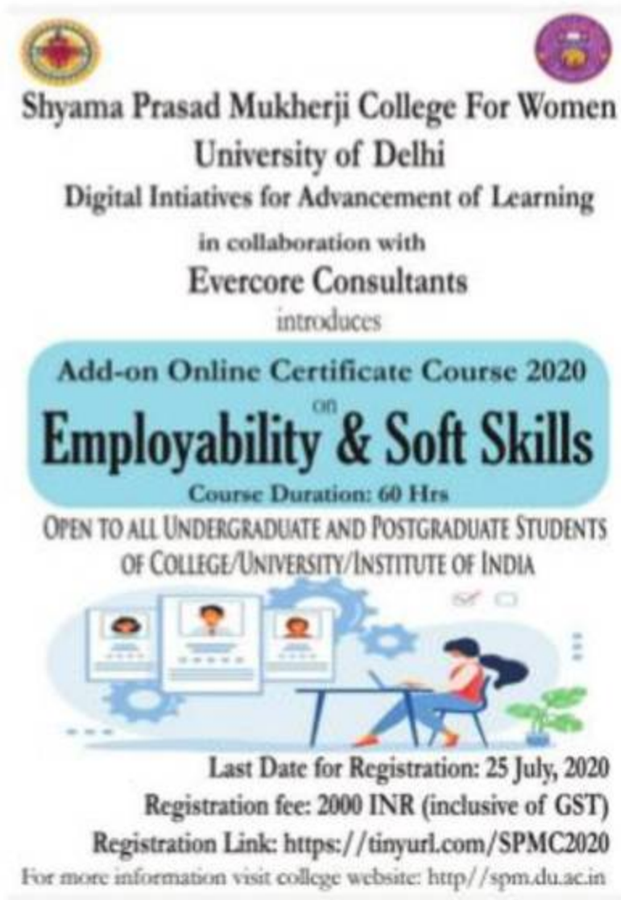

श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला कॉलेज दिल्ली यूनिवर्सिटी का एक चर्चित कॉलेज है जो अपने रेगुलर ग्रेजुएट कोर्सेज के साथ विभिन्न ऐड ऑन सर्टिफिकेट कोर्सेज के लिए भी जाना जाता है। कॉलेज पिछले कई वर्षों से सफलतापूर्वक ऐड ऑन कोर्सेज संचालित कर रहा है। इसी कड़ी में वर्तमान समय की चुनौतियों और डिजिटल माध्यम के प्रभावी उपयोग को ध्यान में रखते हुए कॉलेज नए ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्सेज की शुरुआत करने जा रहा है। रेगुलर और अन्य माध्यमों से किए जाने वाले ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स के साथ इन ऐड ऑन कोर्सेज को किया जा सकता है। इन कोर्सेज को रोजगार की संभावनाओं और उसके लिए आवश्यक कौशल एवं योग्यता के विकास को प्राथमिकता देते हुए डिजाइन किया गया है। इनमें डिपार्टमेंट ऑफ जर्मेनिक एंड रोमांस स्टडीज, डीयू के साथ मिलकर फ्रेंच लैंग्वेज और जर्मन लैंग्वेज सर्टिफिकेट कोर्स, वीमेन एंड लीगल लिटरेसी सर्टिफिकेट कोर्स, डाइट एंड वैलनेस सर्टिफिकेट कोर्स, एवरकोर कंसल्टेंट्स के साथ एम्प्लॉयबिलिटी एंड सॉफ्ट स्किल्स सर्टिफिकेट कोर्स, डिपार्टमेंट ऑफ एडल्ट कंटीन्यूइंग एजुकेशन एंड एक्सटेंशन, दिल्ली यूनिवर्सिटी के साथ ट्रेवल एंड टूरिज्म सर्टिफिकेट कोर्स और उत्साह साइकोलॉजिकल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ काउंसलिंग एंड साइकोथेरेपी सर्टिफिकेट कोर्स हैं। विस्तृत जानकारी वेबसाइट www.spm. du.ac.in से प्राप्त की जा सकती है।

अमर उजाला उड़ान

INTERVIEW

आपको बस चलते रहना है...

विवेक सलारिया
युवा उद्यमी

कोविड-19 के ऐसे समय में, जबकि आर्थिक गतिविधियां धीमी पड़ी हुई हैं, लोगों में एक तरह की निराशा फैल रही है। युवा उद्यमी विवेक सलारिया ने एक फिटनेस ऐप प्रस्तुत किया है, जो देश की युवा शक्ति को आगे बढ़ने की ताकत देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

ट्वेल्व वीक चैलेंज ऐप शुरू करने के पीछे उद्देश्य क्या है?
ट्वेल्व वीक चैलेंज ऐप शुरू करने के पीछे का उद्देश्य लॉक डाउन की अवधि में लोगों की उनके जीवन में फिटनेस लाने में मदद करना था। लॉकडाउन के कारण कई लोग अपनी दैनिक फिटनेस खो रहे थे। साथ ही, घर पर बैठने से तनाव बढ़ता है। इन सभी ने हमें एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाने के लिए प्रेरित किया, जो कामकाजी लोगों, युवा और वृद्ध सभी को अधिक व्यायाम करने के लिए प्रेरित करेगा।

इस ऐप को बनाते वक्त आपने किन चुनौतियों का सामना किया और आपने उन्हें कैसे दूर किया?
पहली और सबसे महत्वपूर्ण चुनौती वित्तीय और मानवीय संसाधनों की कमी की थी। लॉकडाउन के चलते हम लोगों तक पहुंच नहीं पा रहे थे। चुनौतियों को हल करने के लिए हमने खुद को शांत रखा। मौजूदा टीम ने अपनी दैनिक फिटनेस के लिए ऐप का उपयोग करना शुरू कर दिया। प्रौद्योगिकी का उपयोग करके घर से काम करते समय टीमों को एकजुट किया गया था। उन्होंने इसे और आक्रामक तरीके से बाजार में उतारने की योजना बनाई। जल्द ही चुनौतियां दूर होने लगीं और अधिक से अधिक लोग ऐप के जरिये हमसे जुड़ गए और यह बढ़ने लगा।

यह ऐप किस तरह मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य प्रदान करने में सहायक है?
ट्वेल्व वीक ऐप में एक्सपर्ट ट्रेनर शामिल किए गए हैं। इसमें दो तरह के सत्र हैं जहां प्रतिभागी ट्रेनर को देख सकता है और प्रशिक्षक प्रतिभागी को अभ्यास करते हुए भी देख सकता है। ट्रेनर सत्रों के दौरान लोगों को प्रेरित और उत्साहित रखता है। परिणामस्वरूप यह एक शानदार अनुभव बन जाता है।

जीवन में सफल होने के लिए आपका मंत्र क्या है?
विंस्टन चर्चिल के दो उद्धरण हैं, जो मैं हमेशा याद रखता हूं। पहला "जब आप नरक से गुजर रहे होते हैं तो आपको बस चलते रहना चाहिए" और दूसरा है "यदि आप हर उस कुत्ते पर पत्थर फेंकते रहते हैं जो आप पर भौंकता है, तो आप कभी भी अपने गंतव्य तक नहीं पहुंचेंगे। इन दो उद्धरणों के साथ-साथ प्रतिदिन दो घंटे का ध्यान और काम करने के लिए एक गहरी लगन है, जो मुझे निरंतर काम करने की प्रेरणा देती है।

आप युवाओं को क्या संदेश देना चाहते हैं?
भारत आज एक बहुत ही दिलचस्प जगह पर है। एक तरफ हम वायरस से जूझ रहे हैं। दूसरी ओर हम सीमाओं पर एक वायरस से जूझ रहे हैं। हम महसूस कर सकते हैं कि लॉकडाउन के कारण हम सीमित हो रहे हैं, नौकरियां खो रही हैं और आर्थिक गतिविधियां भी धीमी हो रही हैं। यह बिल्कुल निर्माण का समय है। मैं अपने देश के युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहूंगा। उन्हें अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलना चाहिए और इस अवसर पर उठकर देश के लिए अनंत आर्थिक गतिविधियों का निर्माण करना चाहिए।

एसपीसीसीसीएच का नई दिल्ली में उद्घाटन

यह विश्व की सबसे बड़ी कोविड उपचार व देखभाल सुविधा है...

आईटीबीपी (ITBP) ने नई दिल्ली में 5 जुलाई, 2020 से विश्व के सबसे बड़े कोरोना केयर सेंटर का संचालन शुरू किया। इस सेंटर का नाम सरदार पटेल कोरोना केयर सेंटर (SPCCCH) है। इसके साथ ही अस्पताल में कोविड-19 पॉजिटिव मरीजों को भर्ती करना शुरू कर दिया गया है। 10,000 बिस्तर युक्त सरदार पटेल कोविड केयर सेंटर और अस्पताल विश्व की सबसे बड़ी COVID -19 उपचार और देखभाल की सुविधा है। इसका उद्घाटन दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने किया।

रिकॉर्ड समय में पूर्ण हुआ यह देखभाल केंद्र और अस्पताल

10,000 बिस्तर की सुविधा के लिए बुनियादी ढांचा 10 दिनों के रिकॉर्ड समय में पूर्ण किया गया था। इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय के समर्थन एवं सहयोग से बुनियादी ढांचा दक्षिण दिल्ली जिला प्रशासन द्वारा बनाया गया था।

एसपीसीसीसीएच आध्यात्मिक संगठन 'राधा स्वामी सत्संग ब्यास' के परिसर में बनाया गया है। यह दक्षिण दिल्ली के छतरपुर क्षेत्र में स्थित है। एसपीसीसीसीएच में वातानुकूलित सुविधाएं मौजूद हैं, जिसे 18,000 टन के एयर-कंडीशनर द्वारा ठंडा किया जाएगा।

एसपीसीसीसीएच में 200 एनक्लोजर हैं। इन एनक्लोजर को आगे तीन खंडों में विभाजित किया गया है: मरीजों के इलाज और देखभाल के लिए सबसे बड़ा खंड, नर्सों, डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए दूसरा खंड, जबकि एक खंड कमांड अनुभाग के रूप में होगा। एसपीसीसीसीएच में मरीजों के लिए कुल 116 सेक्शन होंगे। प्रत्येक सेक्शन में मरीजों के लिए 88 बिस्तर होंगे। एसपीसीसीसीएच में लगभग 600 शौचालय हैं, जिनमें से 70 पोर्टेबल हैं।

एसपीसीसीसीएच में कोविड-19 पॉजिटिव रोगियों को उपचार दो खंडों में प्रदान किया जाएगा। पहले सेगमेंट में 10,000 बिस्तर में से 1000 बिस्तरमें ऑक्सीजन की सुविधा होगी। इस 1000 बिस्तर के सेगमेंट में सिम्प्टोमैटिक रोगी और अन्य रोगियों को, जिन्हें ऑक्सीजन समर्थन की आवश्यकता होती है, उन्हें देखभाल और उपचार प्रदान किया जाएगा। यह खंड डेडिकेटेड कोविड हेल्थ केयर (DCHC) के रूप में जाना जाएगा। दूसरा खंड हल्के और स्पर्शोन्मुख कोविड-19 रोगियों के लिए निश्चित किया गया है।

नोडल एजेंसी

इस केंद्र के संचालन के लिए भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) को नोडल एजेंसी के रूप में चुना गया है। आईटीबीपी ने हॉस्पिटल में कंप्यूटराइज्ड रजिस्ट्रेशन सिस्टम चालू किया है। सभी मरीजों को ई वाहनों के माध्यम से केंद्र के अंदर तक लाया जाएगा. समस्त प्रक्रियाओं का कई बार रिहर्सल भी किया गया है। इस केंद्र में लगभग 1000 से भी ज्यादा डॉक्टरों और चिकित्सीय कर्मियों द्वारा सेवाएं दी जाएंगी, जिसमें आईटीबीपी और अन्य केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के डॉक्टर्स और कर्मी शामिल होंगे। यहां लगभग 100 एंबुलेंस और इतने ही वाहनों के परिचालन की व्यवस्था की गई है। सिक्योरिटी के लिए आइटीबीपी क्यूआरटी के अलावा कैंप के चारों तरफ आईटीबीपी के जवानों की कड़ी निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

एसपीसीसीसीएच में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC) ने एक स्मार्टफोन-आधारित एप्लिकेशन बनाया है, जिसका उपयोग प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा। यह सुविधा मरीजों के लिए मनोरंजन का एक केंद्र भी उपलब्ध कराएगी जिसमें किताबें, स्किपिंग रोप, बोर्ड गेम्स आदि शामिल हैं।

WEEKLYDAIRY

01 जुलाई

भारतीय रिजर्व बैंक ने हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों (HFCs) और गैर-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों (NBFC) के लिए सरकार की विशेष नकदी योजना के लिए पात्र होने की शर्तों की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य NBFC और HFC की नकदी की स्थिति में सुधार करना है।

02 जुलाई

केंद्र सरकार ने 33 लड़ाकू जेट विमान समेत रक्षा खरीद पर कुल मिलाकर 38,900 करोड़ रुपये का खर्च करने को मंजूरी दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में इस मसौदे पर मुहर लगाई गई।

03 जुलाई

सिद्धार्थ मुखर्जी और प्रो. राज शेट्टी को कार्नेगी कॉरपोरेशन ऑफ़ न्यूयॉर्क द्वारा '2020 ग्रेट इमिग्रेंट्स' ऑनरीज' के तौर पर सम्मानित किया गया है। उन्होंने कोविड स्वास्थ्य संकट को कम करने के प्रयासों में अपना योगदान दिया है। यह सम्मान अमेरिकन फाउंडेशन द्वारा दिया जाता है।

खेल

केंद्रीय खेल मंत्री किरण रिजिजू ने 03 जुलाई 2020 को 'फिट है तो हिट है इंडिया' वेबिनार के दौरान घोषणा की कि सरकार जल्द ही 2028 तक ओलिंपिक चैंपियन बनाने के उद्देश्य से देश में जूनियर ऐथलीटों के लिए टारगेट ओलिंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) शुरू करेगी। सरकार इसके लिए 10 से 12 साल की प्रतिभा की पहचान कर उन्हें अपनायेगी। पिछले 8-9 महीनों में फिट इंडिया अभियान के तहत 2.5 लाख स्कूलों ने पंजीकरण कराया है। टॉप्स योजना जुलाई 2014 के महीने में तैयार की गई थी। इसका उद्देश्य देश भर से पदक की संभावनाओं वाले व्यक्तियों की पहचान करना था, और उन्हें आगामी ओलंपिक और पैरालिम्पिक्स के लिए तैयार करना है। टॉप्स के तहत चुने गए एथलीटों की सहायता के लिए मिशन ओलंपिक सेल नामक एक समर्पित निकाय का गठन किया गया है।

नियुक्ति

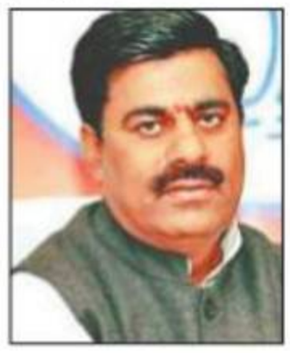

मध्य प्रदेश में भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा को राज्य की विधानसभा में प्रोटेम स्पीकर (सामयिक अध्यक्ष) नियुक्त किया गया है। प्रभारी राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने 4 जुलाई को स्थायी अध्यक्ष का चुनाव होने तक कर्तव्यों के निर्वहन के लिए रामेश्वर शर्मा को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया। रामेश्वर शर्मा राज्य की राजधानी और जिला भोपाल की हुजूर विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक हैं। इससे पहले प्रोटेम स्पीकर के तौर पर जगदीश देवड़ा कार्यरत थे। लेकिन उन्होंने दो जुलाई को त्यागपत्र दे दिया था। जगदीश देवड़ा को शिवराज सिंह चौहान की कैबिनेट में शामिल किया गया है।

निधन

फिल्म जगत की मशहूर कोरियोग्राफर सरोज खान का 3 जुलाई 2020 को कार्डियक अरेस्ट के चलते मुंबई में निधन हो गया। वे बीते कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रही थीं। उन्हें बांद्रा स्थित एक हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। वे 71 साल की थीं।

■ दक्षिण अफ्रीका के एकमात्र हिंन्दू राजनीतिक दल के राष्ट्रीय नेता एवं पार्टी के संस्थापक सदस्य जयराज बाचू की कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद मौत हो गयी है। वह 75 साल के थे।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के मंगलयान मिशन (मार्स ऑर्बिटर मिशन के रूप में जाना जाता है) ने फोबोस (मंगल ग्रह का सबसे बड़ा चंद्रमा या प्राकृतिक उपग्रह) के चित्र लिए हैं। इसरो द्वारा 3 जुलाई, 2020 को यह चित्र साझा किया गया। फोबोस की छवि मंगल ग्रह ऑर्बिटर मिशन द्वारा 4200 किलोमीटर की दूरी से ली गयी थी। उस समय, मार्स ऑर्बिटर मिशन मंगल से 7200 किलोमीटर की दूरी पर था। स्टिकनी क्रेटर फोबोस पर सबसे बड़ा गड्ढा है। मार्स ऑर्बिटर मिशन द्वारा लिए गये चित्र में स्टिकनी क्रेटर, रोश, श्लोकोव्स्की और ग्रिलड्रिग क्रेटर्स दिखाई दे रहे हैं। मंगलयान मिशन को 5 नवम्बर, 2013 को आंध्र प्रदेश में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के पहले लांच पैड से लांच किया गया था।

चर्चित व्यक्ति

झारखंड की कृतिका पांडे को राष्ट्रमंडल-2020 (कॉमनवेल्थ) का लघुकथा सम्मान दिया गया है। 29 वर्षीय कृतिका को यह सम्मान 'द ग्रेट इंडियन टी एंड स्नैक्स' कहानी के लिए मिला है। कृतिका को एक ऑनलाइन कार्यक्रम में इस सम्मान से नवाजा गया। कृतिका को एशिया रीजन के लिए यह सम्मान मिला है।

ज्ञान की कमान

कौन सा संगठन 'संस्कृत साप्ताहिकी' नामक संस्कृत में अपना पहला समाचार पत्रिका कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है?
■ ऑल इंडिया रेडियो

किस भारतीय राज्य / केंद्रशासित प्रदेश ने लोगों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए एक मोबाइल वैन 'धन्वंतरि रथ' शुरू की है?
■ गुजरात

किस अंतर्राष्ट्रीय संगठन ने 'कोविड-19 और पर्यटन' शीर्षक से रिपोर्ट जारी की है?
■ अंकटाड

नीमू नामक स्थान, जो हाल ही में खबरों में देखा गया था, किस नदी के किनारे स्थित है?
■ सिंधु

हाल ही में कौन सा वित्तीय संस्थान सेंट्रल बैंक एंड सुपरवाइजर्स नेटवर्क फॉर ग्रीनिंग फॉर द फाइनेंशियल सिस्टम (एनजीएफएस) में शामिल हुआ है?
■ एशियाई विकास बैंक

किस केंद्रीय मंत्रालय द्वारा "प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना" को लागू किया जा रहा है?
■ खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

'स्ट्राइप्ड हेयरस्ट्रीक' और 'एलूसिव प्रिंस' किस प्राणी की हाल ही में खोजी गई प्रजाति है?
■ तितली

WEEKLYDAIRY

04 जुलाई

गैर-लाभकारी संगठन UKIBC- ब्रिटेन भारत व्यापार परिषद और एमआईडीसी-महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए थे। MIDC औद्योगिक अवसंरचना विकास के लिए महाराष्ट्र सरकार की प्रमुख एजेंसी है।

05 जुलाई

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने टीबी (क्षय रोग) का प्रारंभिक अवस्था में पता लगाने और उसकी एक प्रमुख दवा की प्रतिरोधक क्षमता का आकलन करने के लिए भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) समेत तीन संस्थानों की तरफ से किए जा रही जांच का समर्थन किया है।

06 जुलाई

विश्व बैंक के 2020-21 के देशों के वर्गीकरण के अंतर्गत आय के स्तर के आधार पर, दक्षिण एशियाई और भारत के पड़ोसी देश नेपाल की अर्थव्यवस्था को निम्न-मध्य आय अर्थव्यवस्था में रखा है जबकि श्रीलंका की अर्थव्यवस्था को फिर से निम्न-मध्य आय अर्थव्यवस्था श्रेणी में पहुंचा दिया है।

अमर ज्ञान वर्ग पहेली-0515

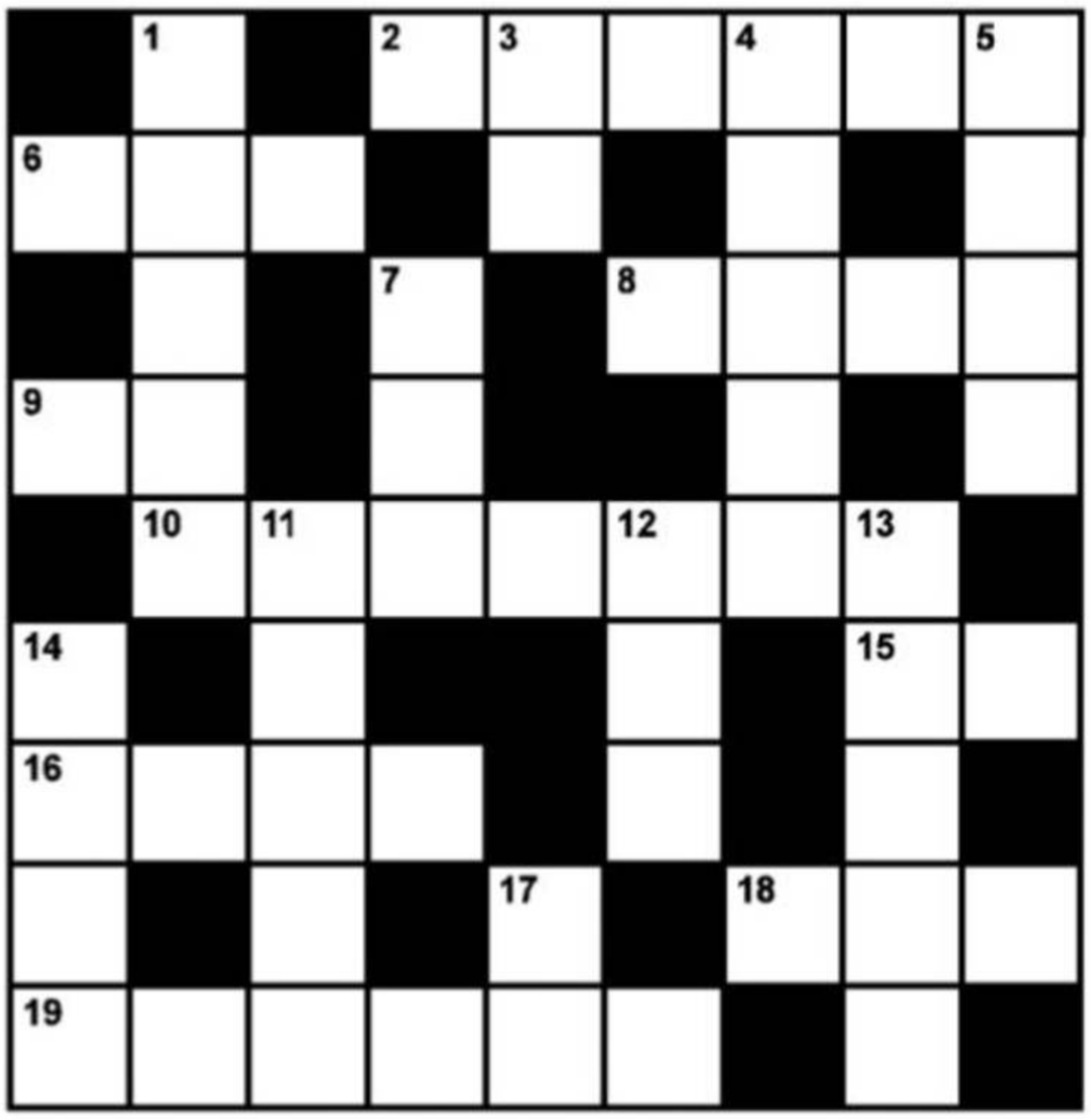

बाएं से दाएं: 9/37

2. उत्पादकता न होने की स्थिति (6)
6. पत्तें से बनी थाली (3)
8. 1526 में बाबर और इब्राहिम लोदी के बीच यहां लड़े गए युद्ध में बाबर विजयी हुआ और दिल्ली की सत्त पर मुग़लों का अधिकार हो गया; हरियाणा का एक औद्योगिक नगर (4)
9. ध्यान से देखिए यहां 'खंबा' उलट गया है (2)
10. इंडोनेशिया; डच उपनिवेश (2,2,3)
15. गूढ़ अनुराग; प्रेम; संश्लेष; धुन (2)
16. दीवान जर्मनी दास लिखित एक पुस्तक; अनिल शर्मा निर्देशित गोविंदा, मनीषा कोइराला, राज बब्बर, प्रेम चोपड़ा, शशि कला, शक्ति कपूर की फिल्म; बड़ा राजा (4)
18. रुई का पौधा (3)
19. पवनकुमार; पवनज; हनुमान; भीम (6)

ऊपर से नीचे: 10/38

1. 9 नवंबर 2000 को बनाए गए 27वें राज्य का वर्तमान नाम (5)
3. पूजन; पूजा; वंदन; वंदना; स्तुति (2)
4. माँग पर देय हुंडी; वह हुंडी जिसे देखते से ही उसका भुगतान देय हो जाए कहा जाता हो (3,2)
5. उत्तरोत्तर न्यूनाधिक्य के अनुसार व्यवस्था; विचारों से लगाया जाने वाला क्रम या सिलसिला (4)
7. रूई से भरी ओढ़नी (3)
11. चार मुख वाला; ब्रह्मा (5)
12. ईसा का; ईसा संबंधी; ईसा के अनुयायी (3)
13. ऊंचे स्थान से गिरता पानी (5)
14. असम राज्य का एक क्षेत्र जो दो जिलों में विभाजित है; असम का पुराना नाम (4)
17. अधिक रन मारने वाले को रनों की ..... भी कहते हैं; खाने का काम; वह स्थान जहां से खनिज पदार्थ निकलते हैं; आकर; खजाना; खदान (2)

- हरीश चन्द्र सन्सी
- प्रस्तुति: विविधा विधा, दिल्ली

ANSWER

अमर ज्ञान वर्ग पहेली 0514

1 सु	2 दू	र	■	3 वि	य	4 त	ना	5 म
■	र	■	■	हा	■	म	■	धु
6 बा	बी	फि	7 श	र	■	8 सा	ध	क
■	न	■	ल	■	9 ल	■	■	ल
10 सं	■	11 आ	ग	ल	गा	ना	■	श
न्या	■	■	म	■	ता	■	12 त	■
13 स	क्ष	14 म	■	15 सु	र	क्षा	ब	ल
ले	■	ह्री	■	र	■	■	ल	■
16 ना	ड़ी	प	री	क्षा	■	17 प्रा	ची	न

रोचक शब्द पहेली को हल करना किसी मनोरंजन से कम नहीं है। तो आप भी कीजिए अपना बुद्धि परीक्षण...

अमर उजाला ज्ञान

ENGLISH GYAN

Towards Better ENGLISH - 43

Collocations:

We can say *'it's heavy rain'*, but not *'it's thick rain'*; *'he was discharged from hospital'*, but not *'he was released from hospital'*. These conventional combinations of words *(heavy + rain, discharged + from hospital)* are called 'collocations. Collocations refer to how words go together or form fixed relationships. All languages have large numbers of collocations.

Some more examples:

- *a burning desire* (but not- ~~a blazing desire~~)
- *a bright idea* (but not- ~~a shining idea~~)
- *Thanks a lot.* (but not-~~Thank you a lot~~)
- *Commit a crime* (but not-~~perform a crime~~)

Word /phrase of the week:

Crux- the most important or difficult part of something

- Finding a reliable vendor for this service is really the crux of the matter.
- The crux of the matter is whether he should be relieved or not.
- The *crux* of the problem is that the current budget is totally inadequate for this project.

Interesting Fact:

The largest word search puzzle has 10,500 words in a total of 129,600 letters, and was created by Ashish Dutt Sharma (India), in Rajasthan, India, as measured on 18 October 2015. *(Guinness World Records)*

डॉ. विनोद कुमार मंगवानी
सह-प्राध्यापक (अंग्रेजी), मर्चेंट नेवी संस्थान, पुणे

जिज्ञासा

क्या आप जानते हैं?

1. ब्रह्मगुप्त को मध्यकालीन भारत के महानतम गणितज्ञों की श्रेणी में रखा जाता है । भारतीय गणितज्ञों के साथ सबसे बड़ी परेशानी अपनी खोज को विश्व पटल पर नहीं रख पाने की थी, जिसकी वजह से हमारी खोज को कई दशकों और शतकों बाद पश्चिमी जगत में खोजने के बावजूद श्रेय उन्हें ही मिला भारतीयों को नहीं। ब्रह्मगुप्त ने जहां N एक अवर्गीय पूर्णांक है, को हल करने में सफलता प्राप्त की, परन्तु ये हल कैसे किया जायेगा इसका जिक्र उन्होंने नहीं किया। मान लीजिये N = 2 है तो समीकरण के हल x = 2 रखने पर y = 3 हो जायेगा। इसी तरह x = 12 रखने पर y = 17 आएगा और x = 77 रखने पर y = 90 तथा x = 408 रखने पर y = 577 आयेगा। अर्थात N = 2 के लिए इसके अनेक हल हो सकते हैं। अगर आप N = 3 रखें, तो समीकरण के अनेक हलों में से कुछ (4,7) (15, 26) (56, 97)--- होंगे। आपने देखा कि समीकरण का हल निकालना कितना मुश्किल है। यदि N = 61 है तो समीकरण का हल निकालना कितना मुश्किल है। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि इस समीकरण का हल 12 वीं सदी में जन्में भास्कराचार्य ने दिया और इसके सबसे छोटे हल x = 223153980 तथा y = 1766319049 होगा। भास्कराचार्य ने इस विधि को चक्रवाल विधि का नाम दिया। आधुनिक गणित शास्त्री इस समीकरण को पेल समीकरण कहते हैं। लेकिन पेल से लगभग 1000 वर्ष पूर्व ब्रह्मगुप्त ने इस समीकरण को हल किया था।

2. पाई तो अपने आप में सबसे अनोखी संख्या है। चाहे पिरामिड का निर्माण करना हो या किसी गोले, बेलन या शंकु का क्षेत्रफल या आयतन निकालना हो आपको इसकी जरूरत पड़ ही जाती है। मिस्र के पिरामिड के निर्माण में पाई का मान का प्रयोग किया गया होगा ऐसा मिस्त्रवासी मानते हैं। गीजा की महान पिरामिड की परिमाप 1760 क्यूबिट तथा ऊंचाई 280 क्यूबिट थी, जिसका अनुपात 1760/280 = 6.2857 के करीब आता है। यह आज के वर्तमान पाई के मान से दोगुना है।

यूं तो आर्कमिडीज ने 5 भुजा के बहुभुज से लेकर 92 भुजा के बहुभुज के अन्तःवृत और परिवृत करने के बाद पाया की परिधि और व्यास का अनुपात 22/7 और 223/71 के बीच रहता है पर सबसे शुद्ध मान निकालने का श्रेय एकबार फिर भारतीय गणितज्ञ आर्यभट्ट को जाता है। आर्यभटीय पुस्तक, जिसे आर्कमिडीज ने 23 वर्ष की उम्र में लिखा था, में पाई का मान निकालने का जो श्लोक मिलता है, उससे पाई का मान दशमलव के बाद 4 अंको तक सही निकाला जा सकता है।

चतुराधिकं शतमष्टगुणं द्वाषष्टिस्तथा सहस्त्राणाम्।
अयुतद्वयस्य विष्कम्भस्य आसन्नौ वृत्तपरिणाहः॥

इस श्लोक के अनुसार 20000 इकाई के व्यास वाले वृत्त की परिधि 62832 होगी अर्थात परिधि / व्यास = 62832 / 20000 = 3.1416 होगी। पाई का सबसे सुंदर फार्मूला भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन ने दिया है, जिसकी मदद से पाई का मान कई लाख अंको तक निकाला जा सकता है।

$$\frac{1}{\pi} = \frac{2\sqrt{2}}{9801} \sum_{k=0}^{\infty} \frac{(4k)!(1103 + 26390k)}{(k!)^4 396^{4k}}$$

आपको ये जानकर आश्चर्य होगा कि इजराइल ने हाल ही में एक मशीन का निर्माण किया है, जो पाई के अलग-अलग श्रेणी का निर्माण कर सकती है और इस मशीन का नाम रामानुजन मशीन रखा है।

3. चक्रीय संख्या के बारे में जानते है ?
मान लीजिये चार अंक की एक संख्या 2387 है इसे वृत्त पर रखने पर आपको 2387, 3872, 8723 एवं 7238 ये चार अंक मिलेंगे। क्या आप इन्हें बिना जोड़े इसका योगफल निकाल सकते हैं ?
जी, बिल्कुल। आप इनके अंको को जोड़ कर 1111 से गुणा कर दीजिये, आपको उत्तर मिल जायेगा।

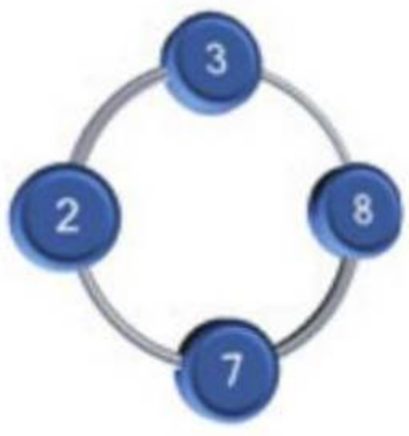

2387 +
3872 +
8723 +
7238 = (2 + 3 + 8 + 7) x 1111 = 2 2 2 2 0 आएगा।

यदि संख्या तीन अंकों की हो, तो अंकों के योग को 111 से गुणा करने पर आपको उत्तर प्राप्त होगा। जैसे 238 से तीन चक्रीय संख्याएं 238, 382 एवं 823 बनेंगी और 238 + 382 + 823 = (2 + 3 + 8) x 111 = 1443 होगा।

-डॉ. राजेश कुमार ठाकुर

INTERNSHIP ALERT

इन्फो ग्राफ़िक वीडियो एडिटिंग इंटर्नशिप
कंपनी: हाई एंड एआई
कहां: वर्क फ्रॉम होम
वेतन: 8,000 रुपये प्रति माह
यहां आवेदन करे- https://bit.ly/AU-1972
आवेदन की अंतिम तिथि: 10 अगस्त 2020

सर्वर साइड डवलपमेंट इंटर्नशिप
कंपनी: असानीफी टेक्नॉलॉजीस
कहां: वर्क फ्रॉम होम
वेतन: 18,000-28,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन: https://bit.ly/AU-1973
आवेदन की अंतिम तिथि: 10 अगस्त 2020

डाटा एंट्री इंटर्नशिप
कंपनी: मोंटबिट टेक्नॉलॉजीस
कहां: वर्क फ्रॉम होम
वेतन: 2,000-5,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन: https://bit.ly/AU-1974
आवेदन की अंतिम तिथि: 10 अगस्त 2020

मैच-मेकर रिलेशन्स इंटर्नशिप
कंपनी: ि
कहां: वर्क फ्रॉम होम
वेतन: 20,000-30,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन: https://bit.ly/AU-1975
आवेदन की अंतिम तिथि: 10 अगस्त 2020

ग्राफ़िक डिजाइन इंटर्नशिप
कंपनी: फ्लाइंग होमिंगोस
कहां: वर्क फ्रॉम होम
वेतन: 5,000-10,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन: https://bit.ly/AU-1976
आवेदन की अंतिम तिथि: 10 अगस्त 2020

ऑपरेशन्स इंटर्नशिप
कंपनी: मेस्त्रे ऑन व्हीलज
कहां: लखनऊ, फ़रीदाबाद, ग़जिआबाद, गुड़गांव
वेतन: 6,000-8,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन: https://bit.ly/AU-1977
आवेदन की अंतिम तिथि: 10 अगस्त 2020

डिजिटल मार्केटिंग इंटर्नशिप
कंपनी: कैलिफ़ोर्निया मेडिकल बेहवियरल हेल्थ
कहां: लखनऊ
वेतन: 8,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन: https://bit.ly/AU-1978
आवेदन की अंतिम तिथि: 10 अगस्त 2020

ADMISSION ALERT

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ आर्ट एंड डिजाइन

(1) कोर्स: बैचलर इन फैशन डिजाइन, कम्युनिकेशन डिजाइन एंड इंटीरियर आर्किटेक्चर एंड डिजाइन
शैक्षणिक योग्यता: 12वीं पास
कोर्स की अवधि: 4 साल
(2) बैचलर इन फैशन बिजनेस मैनेजमेंट
कोर्स अवधि: 3 साल
शैक्षणिक योग्यता: 12वीं पास
(3) मास्टर इन फैशन डिजाइन एंड फैशन बिजनेस मैनेजमेंट
कोर्स अवधि: 2 साल
शैक्षणिक योग्यता: ग्रेजुएशन किसी भी स्ट्रीम से
आवेदन प्रक्रिया: इच्छुक और योग्य उम्मीदवार इंस्टीट्यूट की वेबसाइट "apply@iiad.edu.in" में जाकर अपनी शैक्षणिक और निजी जानकारी भरकर तथा प्रॉस्पेक्टस फीस का भुगतान कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है अथवा संस्था में आवेदन राशि का भुगतान कर प्रॉस्पेक्टस एवं आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं।
पता: बी-26 ओखला एस्टेट मार्ग, पॉकेट बी, ओखला फेज 1, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया नई दिल्ली, 110020
दूरभाष: 91-9871383633, 011-41380000
इ-मेल: apply@iiad.edu.in
परिक्षा की तिथि: 16-17 जुलाई, 2020
अधिक जानकारी की लिए वेबसाइट: www.iiad.edu.in

SCHOLARSHIP ALERT

एसटीएफसी मेरिटोरियस स्कॉलरशिप प्रोग्राम

विवरण: श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनांस कंपनी लिमिटेड द्वारा देश के आर्थिक रूप से कमज़ोर कमर्शियल ट्रांसपोर्ट ड्राइवर्स के परिवारों के मेधावी विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप प्रदान की जा रही है। 10वीं व 12वीं कक्षा के बाद प्रोफेशनल डिग्री, कोर्स की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को शिक्षा जारी रखने के लिए आर्थिक सहायता देने के उद्देश्य से प्रति वर्ष स्कॉलरशिप प्राप्त करने के उद्देश्य से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।
मानदंड: वर्तमान में डिप्लोमा, आईटीआई, पोलिटेनिक कोर्स करने वाले व 10वीं व 12वीं कक्षा में कम से कम 60 फीसदी या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी जो अभी तीन व चार वर्षीय ग्रेजुएशन, इंजीनियरिंग डिग्री प्रोग्राम के विद्यार्थी हों। विद्यार्थी के अभिभावक कर्मिशयल ट्रांसपोर्ट ड्राइवर्स हों व उनकी पारिवारिक वार्षिक आय 4 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए।
इनाम/लाभ: अधिकतम तीन वर्ष तक के आईटीआई, पोलिटेक्निक, डिप्लोमा के विद्यार्थियों को 15000 रुपये प्रति वर्ष व तीन से चार वर्ष तक के ग्रेजुएशन, इंजीनियरिंग डिग्री प्रोग्राम के विद्यार्थियों को 30000 से 35000 रुपये तक की राशि प्रति वर्ष प्राप्त होगी।
अंतिम तिथि: 31 अगस्त, 2020
आवेदन कैसे करें: इच्छुक विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।
आवेदन लिंक: www.b4s.in/au/STFC1

SCHOLARSHIP ALERT

वीजीयू स्कॉलरशिप एप्टीट्यूड टेस्ट (एसएटी) 2020

विवरण: विवेकानंद ग्लोबोल यूनिवर्सिटी (वीजीयू), जयपुर द्वारा छात्रवृत्ति प्राप्त करने हेतु राष्ट्रीय स्तर का स्कॉलरशिप टेस्ट आयोजित किया जा रहा है। इस टेस्ट को पास कर विद्यार्थी ग्रेजुएशन व पोस्टग्रेजुएशन डिग्री करने के लिए 100 फीसदी तक की स्कॉलरशिप प्राप्त कर सकते हैं।
मानदंड: 12वीं पास विद्यार्थी जो वीजीयू में ग्रेजुएशन डिग्री प्रोग्राम करना चाहते हैं, पोस्टग्रेजुएशन डिग्री के लिए विद्यार्थी ग्रेजुएट हो। इस स्कॉलरशिप का लाभ लेने के लिए विद्यार्थी ने वीजीयू में ग्रेजुएशन, पोस्टग्रेजुएशन डिग्री, डिप्लोमा या फिर डॉक्टरल प्रोग्राम के लिए दाखिला लिया हो।
इनाम/लाभ: 100 फीसदी तक की स्कॉलरशिप प्राप्त होगी।
अंतिम तिथि: 10 जुलाई 2020
आवेदन कैसे करें: इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।
आवेदन लिंक: www.b4s.in/au/VGU1

डीआरडीओ रिसर्च एसोसिएटशिप 2020

विवरण: डिफेंस रिसर्च एंड डेवलेपमेंट ऑर्गेनाइज़ेशन द्वारा डीआरडीओ रिसर्च एसोसिएटशिप हेतु मेधावी पीएचडी डिग्री होल्डर्स उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। ओशियन साइंसेज़ में पीएचडी होल्डर्स या फिर फिज़िकल ओशियोनॉग्राफी में बेहतर कार्य अनुभवी उम्मीदवारों अप्लाई करें।
मानदंड: ओशन टेक्नोलॉजी में एमटेक, ओशन इंजीनियरिंग में एमएस के बाद उम्मीदवार के पास तीन वर्ष का शोध अनुभव या अध्यापन कार्य का अनुभव होना चाहिए और कम से कम साइंस सिटेशन इंडेक्स जनरल में फिज़िकल ओशनॉग्राफी पर शोध पर प्रकाशित हो चुका हो।
इनाम/लाभ: चयनित उम्मीदवारों को 54,000 रुपये का मासिक भत्ता व आवास प्राप्त होगा।
अंतिम तिथि: 15 जुलाई 2020
आवेदन कैसे करें: जरूरी डॉक्यूमेंट के साथ आवेदन इस पते पर भेजें- द डायरेक्टर, एनपीओएल, थ्रिकाकरा पोस्ट ऑफिस, कौची- 682021
आवेदन लिंक: www.b4s.in/au/DRA3